कुमाऊँ प्रवेशिका
भाग-1

कुमाऊँ प्रवेशिका

(पहला भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन

लखनऊ–226005 (उ०प्र०)

कुमाऊँ प्रवेशिका
(पहला भाग)

रचना-मण्डल

श्री यमुनादत्त वैष्णव 'अशोक'
डॉ० यशोधर मठपाल
डॉ० देवसिंह पोखरिया
कु० लीला टम्टा
श्री भैरवदत्त गुरुरानी
श्री विशनदत्त जोशी
डॉ० राधा शर्मा
श्री श्यामलाल
डॉ० धरम सिंह
श्री वीरेन्द्र मुलामी
श्री लायक राम 'मानव'
श्री विश्वनाथ सिंह

चित्रांकन

श्री के० जी० सिंह
श्री डी० वी० दीक्षित
कु० पूनम शाही
कु० मीरा गुप्ता

प्रकाशक :

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ–226005 (उ०प्र०)

प्रथम संस्करण–जनवरी 1990

मुद्रक :

लखनऊ पब्लिशिंग हाउस
37, कैण्टूनमेण्ट रोड, लखनऊ

भूमिका

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरान्त प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्यों और कार्यक्रमों में व्यापक परिवर्तन-संशोधन हुआ है। इस संशोधन का प्रभाव कार्यक्रम के प्रत्येक पक्ष पर पड़ा है। मूल साक्षरता सामग्री के निर्माण और उसकी प्रयोग विधि पर भी नवीन परिवर्तनों का असर पड़ना स्वाभाविक था।

नई नीति के अनुसार निकेतन द्वारा प्रकाशित सभी प्रवेशिकाओं को संशोधित और पुनर्निमित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं। नई प्रवेशिकाओं में 'गढ़ प्रवेशिका', 'कुमाऊँ प्रवेशिका', 'आदि भारती' तथा 'नई किरन' मुख्य हैं। गढ़ प्रवेशिका गढ़वाल क्षेत्र के लिए, कुमाऊँ प्रवेशिका कुमाऊँ के लिए, आदि भारती सोनभद्र के लिए तथा नई किरन सामान्य रूप से शेष मध्य क्षेत्र के लिए बनाई गई है। नई किरन, नई राह के स्थान पर प्रस्तावित है।

इन प्रवेशिकाओं की कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं–

○ प्रवेशिकाएँ क्षेत्रीय रुचियों और आवश्यकताओं पर आधारित हैं। इनमें केवल स्थानीय विषयों और समस्याओं को ही नहीं, वरन् स्थानीय भाषा को भी प्रमुखता दी गई है। हमारा विश्वास है कि यदि प्रौढ़ों ने अपनी बोली के आधार पर वर्ण और मात्राएं सीख लीं तो वह मानक भाषा भी शीघ्रता से सीख सकता है, अतः स्थानीय बोली से मानक भाषा पर लाना सहज, सार्थक और शीघ्रगामी है।

○ सभी प्रवेशिकाएँ एकीकृत विधा और मानकों पर आधारित हैं। एकीकृत का मूल तात्पर्य यही है कि साक्षरता, चेतना जागृति एवं व्यावसायिक दक्षता साथ-साथ चले। प्रौढ़ जो कुछ पढ़ें, उसका सुदृढ़ीकरण, परीक्षण और मूल्यांकन भी साथ-साथ होता जाय। अतः प्रत्येक तीन अथवा चार पाठ के उपरान्त जाँच-पत्र दिए गए हैं। व्यावहारिक दक्षता के स्तर तक पहुँचने के लिए प्रारम्भिक स्तर की प्रवेशिकाओं को तीन

भागों में बाँटा गया है। इसे यों भी कह सकते हैं कि अब प्रवेशिका तीन भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग का अपना स्तर है। उसी स्तर के आधार पर जाँच-पत्र और प्रमाण-पत्र दिए गए हैं। भाषा, लेखन, उच्चारण तथा गणित के अभ्यासों को प्रवेशिका के साथ ही जोड़ दिया गया है।

० इस प्रवेशिका का निर्माण कुमाऊँ क्षेत्र में जाकर किया गया है। लिखे गये पाठों का परीक्षण भी यहीं किया गया है। स्थानीय विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय रुचियों, आवश्यकताओं व समस्याओं का चयन किया गया है तथा वहाँ के सांस्कृतिक एवं लोक-जीवन को इस प्रवेशिका के पठन अभ्यासों और चित्रांकन में उभारा गया है।

० प्रवेशिका के निर्माण में जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ; नैनीताल, कुमारी लीला टम्टा एवं उनके सहयोगी कुँवर सिंह मेहरा ने विशेष सहयोग दिया। स्थानीय विद्वानों में डॉ० यशोधर मठपाल, डॉ० देव सिंह पोखरिया, श्री यमुनादत्त वैष्णव 'अशोक', श्री विशन दत्त जोशी, श्री भैरव दत्त गुरुरानी का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। विधा, भाषा एवं चित्रांकन-विशेषज्ञों में डॉ० राधा शर्मा, श्रीमती अलका दीक्षित एवं साक्षरता निकेतन के डॉ० धरम सिंह, श्री वीरेन्द्र मुलासी, श्री श्यामलाल, श्री लायक राम 'मानव', श्री डी०वी० दीक्षित, कुमारी पूनम शाही, कुमारी मीरा गुप्ता तथा पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग के अध्यक्ष, श्री वी० एन० सिंह ने अथक परिश्रम करके इस कार्य को पूर्ण किया। हम उपर्युक्त सभी महानुभावों के आभारी हैं।

आशा है, यह प्रवेशिका राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्यों को पूर्ण करनें में सफल होगी। इस प्रवेशिका के विषय में सुधी विद्वानों की प्रतिक्रियाओं का हम स्वागत करेंगे।

शिवदत्त त्रिवेदी
निदेशक,
राज्य संदर्भ केन्द्र

कुमाऊँ प्रवेशिका

(पहला भाग)

पाठ इकाई विवरणिका

पाठ सं०	मूल शब्द	वर्ण मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा-बिन्दु	रा०सा०मि० में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	काफल	क ा फ ल	–	वन उपज	कार्यात्मक शिक्षा, आर्थिक कार्यकलाप
2.	बांज लगा	ब ं ज ग	1-2 की गिनती	लकड़ी का उपयोग, पर्यावरण	आ० का०, पर्यावरण संरक्षण
3.	भीमताल	भ ी म त	3 से 5 तक गिनती	पेयजल, सिंचाई	का०शि०, आ०का०
	जांच पत्र–1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)				
4.	गों बाखलि	ो ँ ख ि	6 से 10 तक गिनती	आवास, आपसी सहयोग	का० शि०, चेतना जागृति
5.	खेति-पाति, बुति धाणि	े प ु घ ण	11 से 20 तक गिनती	कृषि, श्रम	आ०का०, कौशल-विकास
6.	अभ्यास पाठ	कविता	–		कौ०वि०, आ०का०
	जांच पत्र–2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)				
7.	गोरू, बाछ, गोठ	ो र छ ठ	21 से 30 तक गिनती	पशुपालन	आ०का०,का०शि०
8.	ऊन, दन, थुलम	ऊ न द थ	31 से 40 तक गिनती	गृह उद्योग	आ०का०, का०शि०, कौ०वि०
9.	इजा, ऐपण, सिर पंचमि	इ ऐ म च	41 से 50 तक गिनती	सांस्कृतिक कार्यक्रम	संस्कृति-रक्षा, कौ०वि०,का०शि०
	जांच पत्र–3 (पाठ 1 से 9 तक के लिए)				

प्रमाण पत्र :

काफल

का फ ल

कल फल

लाल काला लाला

ला, फल ला ।

लाल काफल ला ।

काला काफल ला ।

बेडु पाको बारो मासा,
काफल पाको चैता ।

अभ्यास – 1

1. पढ़िए :

क फ ल का फा ला

कल फल ललक काका फाल लाल

2.1. लिखिए :

क ....

फ ....

ल ....

2.2. पढ़िए और लिखिए :

कफ ....

काल ....

लाला ....

पाठ – 2

बाँज लगा

ब ँ ज ग

ब	बल	बाबा	बालक	कब
ँ	फाँक	बाँका		
ज	जल	जब	लाज	काज
ग	गलगल	गाब	गाल	फाग

1	2

बाँज लगा हो झुमर्‌यालो बाँजा, के भल छाजल झुमर्‌यालो बाँजा ।
धुरौ को मिलल ठंडो पाणी, रौलि हर्‌यालो होलि बज्याँणि ।।

बाज बाजा जाल काजल

गला कागज जग बाग
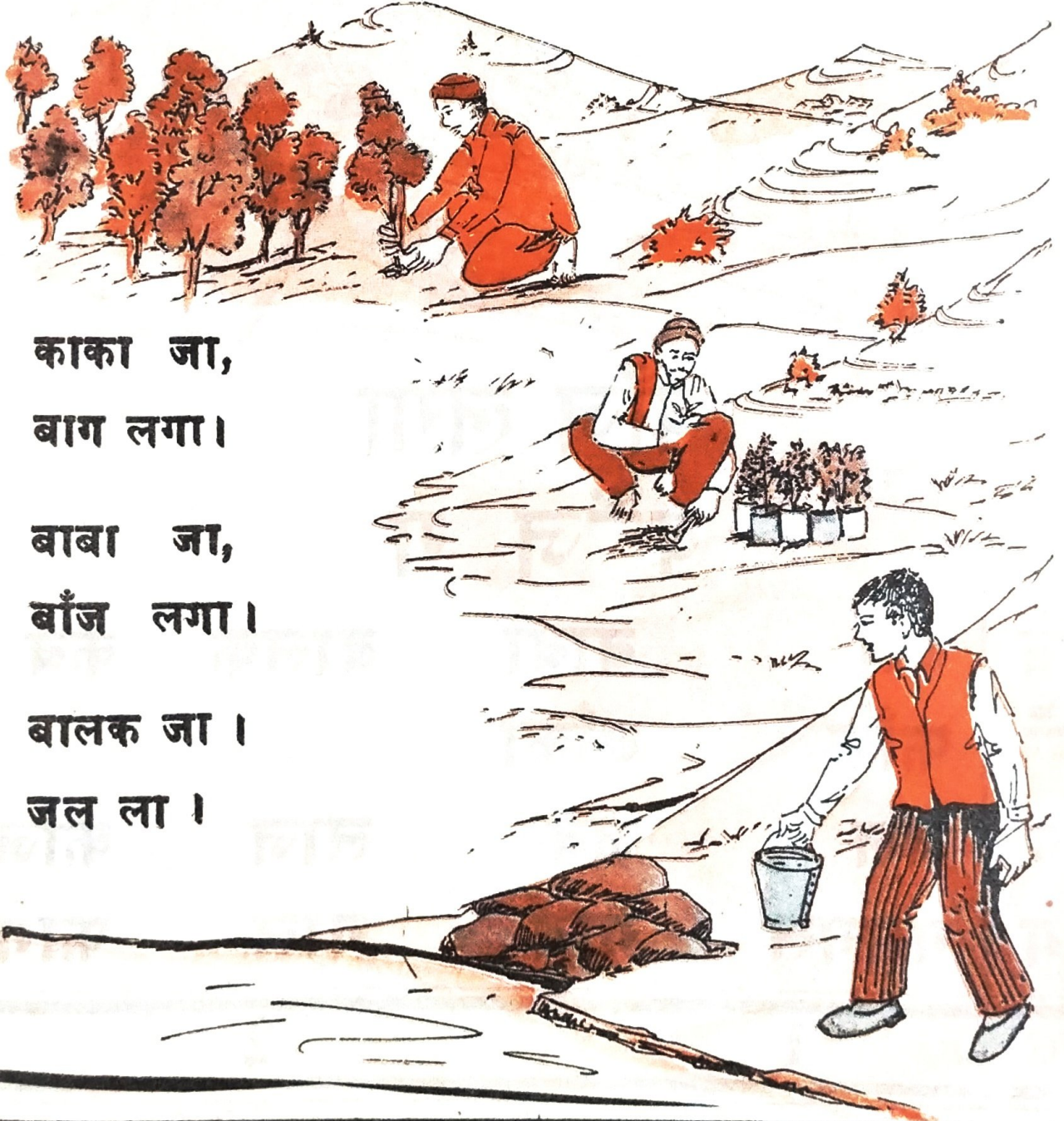
काका जा,
बाग लगा।

बाबा जा,
बाँज लगा।

बालक जा।
जल ला।

नोट : अनुदेशक अर्द्ध विराम (,) तथा पूर्ण विराम (।) का प्रयोग सिखाएं।

अभ्यास – 2

1. पढ़िए :

बाग बाँग काजल बालक

जाल कागज गला गाल

2. लिखिए :

ब ....

ज ....

ग ....

बाबा जाग ....

फाग गा ....

3. गिनिए और लिखिए :

1 1 ....

2 2 ....
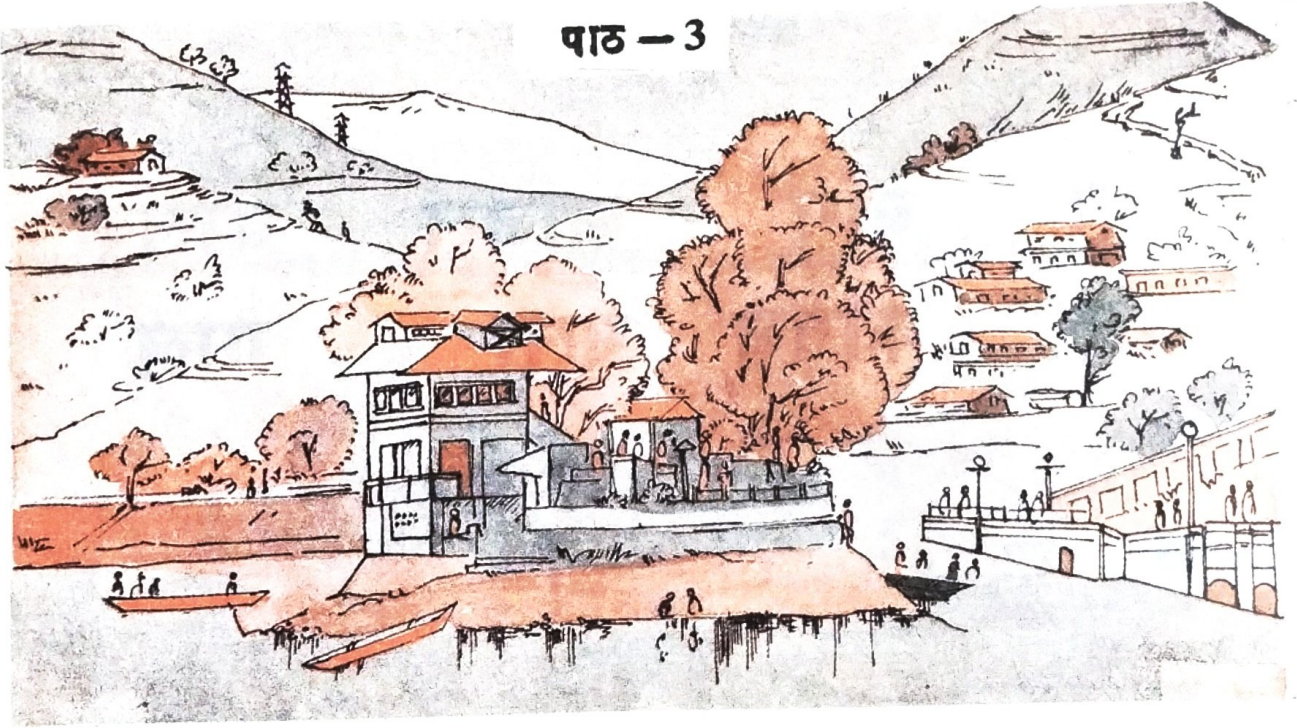
भीमताल

भ ी म त

भ	भला	भाल	भाग	लाभ
ी	जीभ	बीज	गली	फली
म	माल	माली	कमल	भीमल
त	तल	तीली	ताकत	माता

3	4	5

मेरो हिया पहाड़ ज, ऊँच में हिमाल ।
छल छलानो छैल छाबौ, जसो भीमताल ।।

माली	कलम	कभी	जाली
तकली	तकलीफ	काम	तालाब
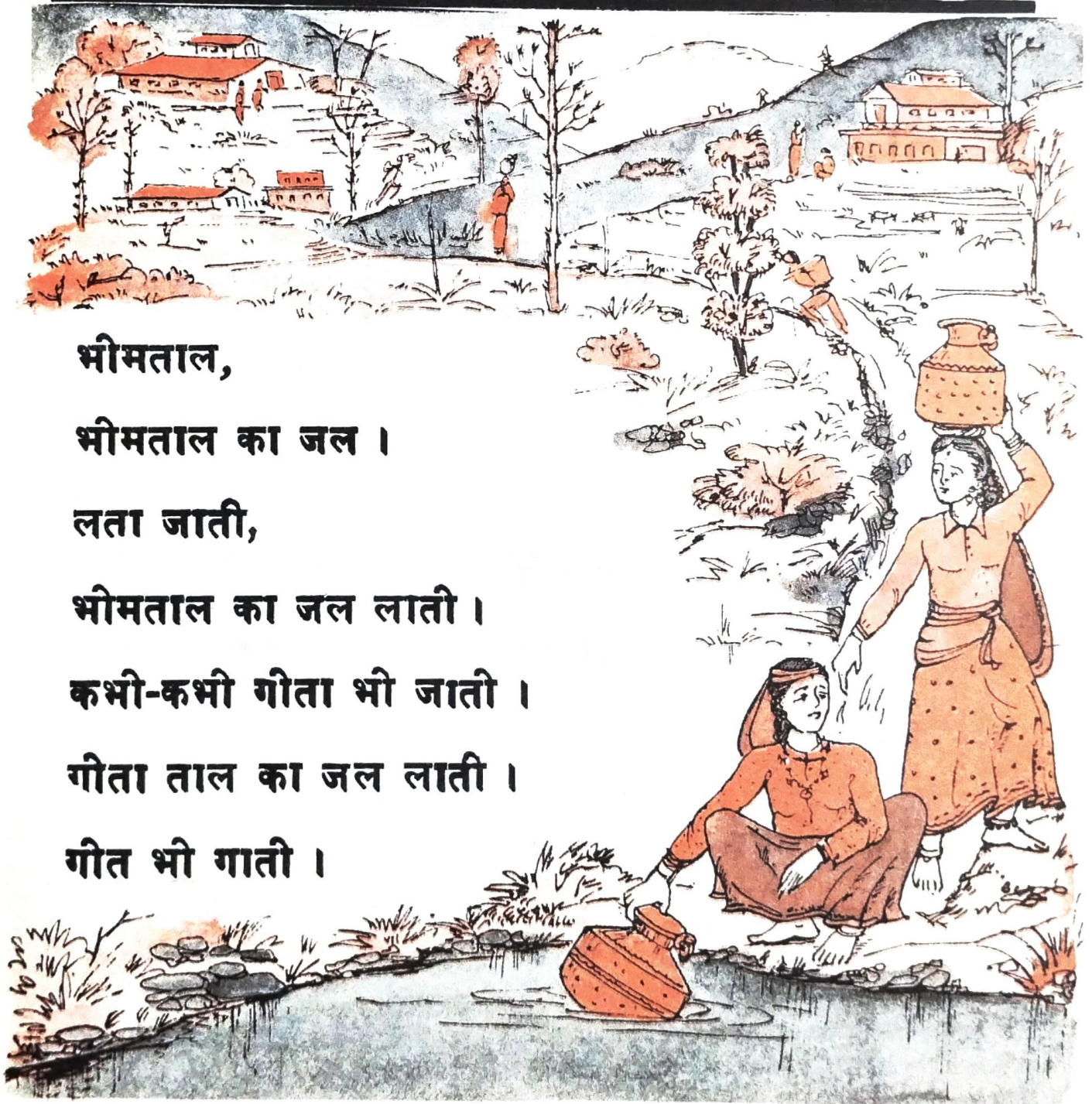
भीमताल,

भीमताल का जल ।

लता जाती,

भीमताल का जल लाती ।

कभी-कभी गीता भी जाती ।

गीता ताल का जल लाती ।

गीत भी गाती ।

अभ्यास – 3

1. पढ़िए :

भ	भा	भी	भाभी
म	मा	मी	मामी
त	ता	ली	ताली

2. लिखिए :

भ ....

म ....

त ....

भला ——— भील ——— ताजा ———

माला ——— मील ——— तीज ———

3. गिनिए और लिखिए :

3 3 ....

4 4 ....

5 5 ....

जांच पत्र–1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए :

काला काफल माली बालक

भीम ताकत फाग बाँज

2. नीचे दिए गए शब्दों में फ, ज, भ, त के नीचे रेखा खींचिए :

काजल लाभ लागत गफलत भगत

3. पढ़िए :

जा, फल ला। बालक जगा।

माली, बाग लगा।

4. लिखिए :

बालक जा, कागज-कलम ला। ....

गीता गीत गाती। ....

बाजा भी बजाती। ....

5. नीचे लिखे शब्दों को ा अथवा ी की मात्रा लगाकर पूरा कीजिए :

भ..भ.. त..ल..ब क..मत

च..ँद तकल.. प..लक

6. खाली जगहों पर सही शब्द भरिए :

बजा कलम माला

कागज ला, ... ला।

माली .... ला। लता, बाजा .... ।

7. 1 से 5 तक की गिनती क्रम से लिखिए :

....

8. खाली जगहों में सही गिनती भरिए :

1 .... 3 5

पाठ – 4

गौं बाखलि

ौ ं ख ि

ौ	लौ	लौकी	फौज	मौल
ं	गंगा	मंगल	गौंत	लंका
ख	खत	खाल	बखत	खाम
ि	किला	किताब	लिफाफा	मिजाज

6	7	8	9	10

घर आँगण सब साफ धरौ, गौं बाखलि का लोग ।
मिलि जुलि रौला तुम सब, मिललौ सब सुख-भोग ।।

जंगल	गौतम	भौजी	मौका
खामी	बंगाल	तिल	लौंग
जिला	खौफ	तखत	गिलाफ

कमला का खत

गौतम की भाभी कमला।

कमला कागज लाती,

कलम लाती।

खत लिखती।

खत लिखती-लिखती गीत भी गाती।

भली-भली गौं बाखली,

भला-भला काज।

काफल-जंगल भला,

भली गौं की लाज।

अभ्यास – 4

1. चौखटे में लिखे अक्षरों को पहचानिए और सामने लिखे शब्दों में उन अक्षरों के नीचे लकीर खींचिए :

भ	भगत लाभ	ख	बतख खली
म	कमल मलमल	त	बात तबला

2.1. लिखिए :

ख ....

2.2. ी अथवा ि की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए और पढ़िए :

ल..की म..का फ..जी म..ल

..लफाफा ..तलक ..मजाज ..तल

ग..तम ..कताब म..ज जला

2.3. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :

....

....

3.1. गिनिए और लिखिए :

6 6 ....

7 7 ....
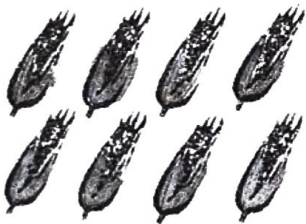
8 8 ....

9 9 ....

10 10 ....

3.2. छूटी हुई गिनती लिखिए :

1 .... **3** **4** ....

6 .... **8** **10**

पाठ — 5

खेतिपाति बुतिधाणि

े प ु ध ण

े	केला	खेल	बेल	मेला
प	पालक	पपीता	पालकी	पाग
ु	पुल	पुलम	भुज	फुलका
ध	धागुला	धमेला	धंधा	बाँध
ण	कण	गुण	गणित	बाँण

11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

खेति पाति मन लगै, करौ बुति धाणि ।
खाद पाणि भलिक दिणों तुम लियो जाणि ।।

खेत	मेज	पीतल	कापी
गुलाब	बुलबुल	मुकाम	धुल
पौधा	गणपति	गुणा	गुणी

तेजपाल के खेत

तेजपाल भीमताल जाता।

मधुली भी जाती।

तेजपाल बीज लाता,

पौध भी लाता।

मधुली पुलम, पपीता लाती।

तेजपाल के खेत।

खेत के बगल में भीमल।

तेजपाल पौध लगाता।

मधुली भीमल लाती।

अभ्यास – 5

1. पढ़िए :

प　　　ध　　　ण

तेज　　पंख　　बेगम　　खेती

मुलाकात　धुंध　　गुण　　धुकधुकी

2.1. लिखिए :

प ....

ध ....

ण ....

2.2. पढ़िए और लिखिए :

लीला बाग जाती। ....

पौध लगाती। ....

गाना गाती। ....

3. गिनती लिखिए :

11 ____ 12 ____ 13 ____ 14 ____ 15

16 ____ 17 ____ 18 ____ 19 ____ 20

काफल फल पाके

लाल-लाल काफल फल पाके।
जंगल-जंगल में फल लागे।
बाग-बाग में बुलबुल गाती,
गाती जाती मधुफल खाती ॥

गीता, माला, कमला, बिमला,
ताल-ताल का जल ले जाती।
खेत-खेत में बाला जाती,
भीमल लाती, काफल लाती ॥

● विशनदत्त जोशी 'शैलज'

अभ्यास – 6

1.1. पढ़िए और लिखिए :

क ख ग ज त ध

___ ___ ___ ___ ___ ___

प फ ब भ म ल

___ ___ ___ ___ ___ ___

1.2. ा, ि, ी, ु, े और ौ की मात्राएं जोड़कर लिखिए और पढ़िए :

	ा	ि	ी	ु	े	ौ
क	का	कि	की	कु	के	कौ
ख						
ज						
त						
प						
फ						
भ						
ल						

जाँच पत्र-2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़िए :

ख प ण ध

फौज गौंत गंगा खली

खिताब पपीता पुल गुण

खत लिखती जाती कमला,

गीत गाती जाती कमला।

ौ, ि, े अथवा ु की मात्राएँ लगाकर शब्द बनाइए :

फ..ज ..कताब क..ला प..ल

बलबल ..मला ..लफाफा ल..की

3. पढ़िए और लिखिए :

लौंग .... बिनौला ....

जुकाम .... बाँध ....

धंधा .... गणपति ....

4 गिनिए और सामने संख्या लिखिए :

....

....

....

....

....

5. छूटी हुई गिनती लिखिए :

11 .... 13 14 .... 16 17 18

.... 20
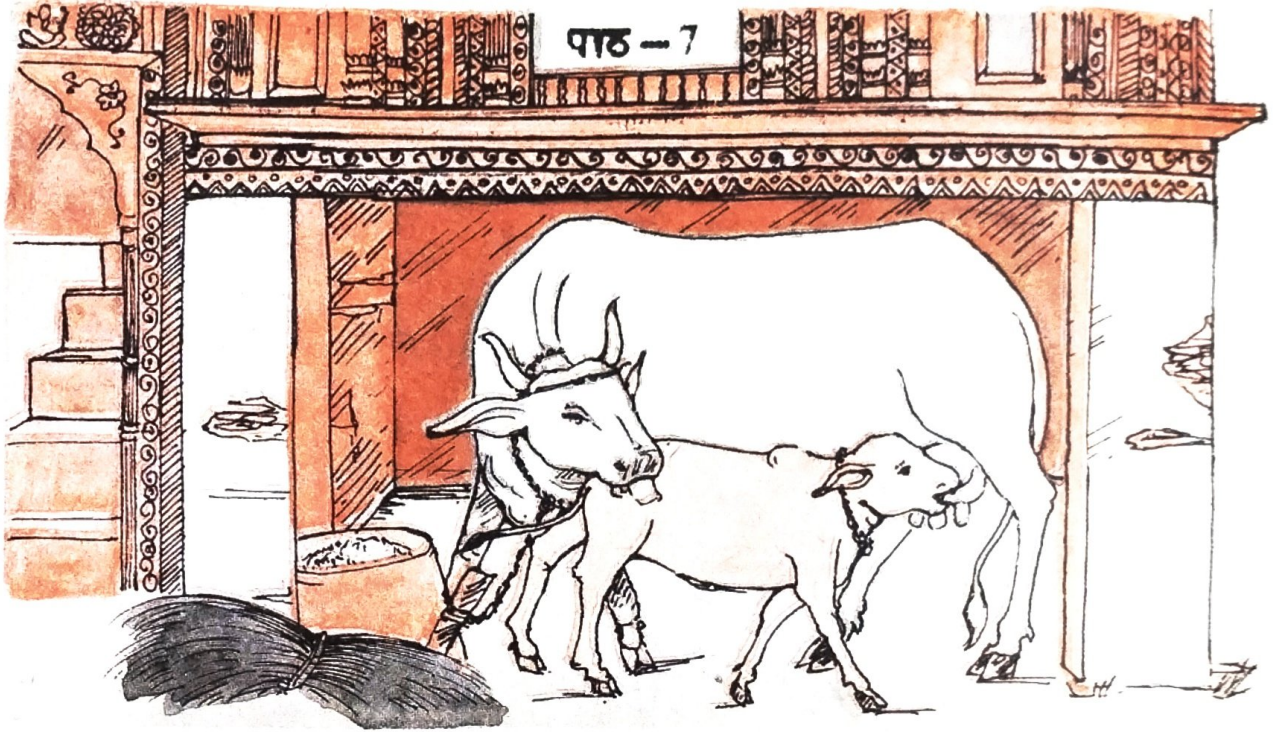
गोरु बाछ गोठ

ो र छ ठ

ो	कोख	तोक	भोल	जोगी
र	राम	राजी	जागर	गगरी
छ	छत	छापरि	छिलुक	छपेली
ठ	ठाठ	ठेकी	ठुलठुल	गठरी

21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

भला धरौ तुम अपण सब, गोरु बाछ को गोठ ।
चारौ पानि बखतक दियौ, भरौ दूद की लोट ।।

गोपाल धोती मीठा लोभी
लाठी खुरपी खीरा गाजर
छाज मछली छठी पंछी

गोपाल गोपुली

गोपाल का गोठ,
गोपुली का गोठ ।
गोपाल, गोपुली के गोठ में तमाम गोरु बाछ ।
गोपुली जंगल जाती, हरे पात लाती ।
गोपाल बाजार जाता, खली लाता ।
गोपुली गोपाल छककर छाछ पीते,
खीर खाते ।
जमकर काम करते ।
कमाते-खाते, गीत गाते ।
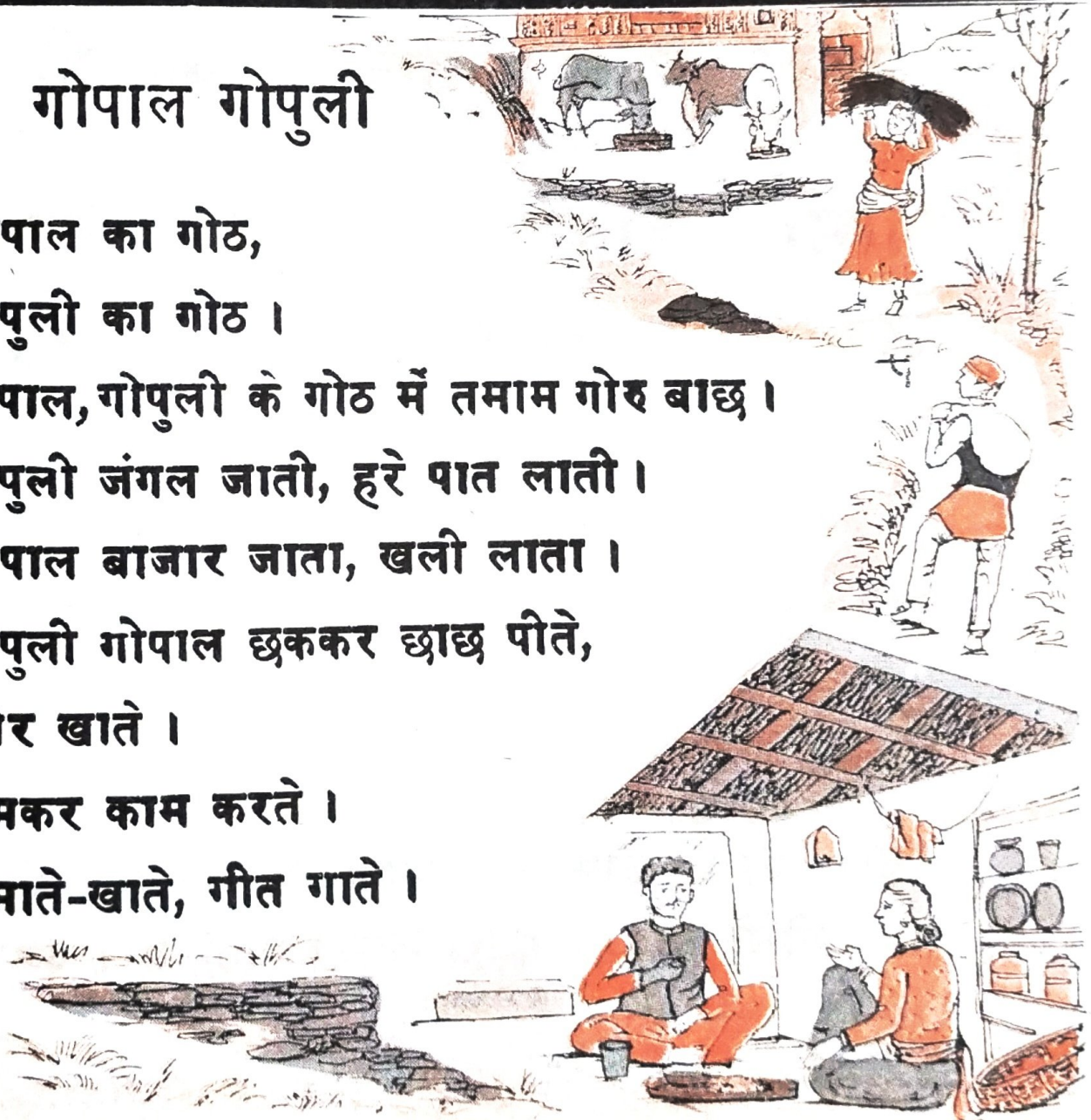
अभ्यास – 7

1.1. नीचे लिखे वर्णों को उनके सामने दिए गए शब्दों में खोजिए और वह वर्ण जितनी बार आया है, उसकी संख्या सामने के चौखटे में लिखिए :

र	राजा	छबेली	बारात	धरती	
छ	लोरी	रीछ	छागल	छतरी	
ठ	ठठेरा	छौंक	ठाकुर	कठौती	

1.2 पढ़िए :

गोभी बोतल धीरज रेल

छेक छिलका ठाट मठ

2.1. लिखिए :

र ....

छ ....

ठ ....

2.2. पढ़िए और लिखिए :

मीरा की माँ बोली–मीरा, खेत जा। पपीता, लौकी ला। गोभी ला। तरकारी छौंक। मीठी खीर पका।

....

....

....

पाठ – 8

ऊन दन थुलम

ऊ न द थ

ऊ	ऊखल	कुमाऊँ	ताऊ	भाऊ
न	नल	निंगाल	मनौती	खुमानी
द	दल	दाना	दोना	दौलत
थ	थल	थाल	नथ	मथुरा

31 32 33 34 35 36 37 38 39 40

भेड़ पाली खूब मिलूं, ऊन दन थुलम ।
कातौ बुणौ बेचौ तुम, रुपैं लै नी कम ।।

नमक	नर	नानतिन	कमाऊ
दाम	दामाद	दीमक	दुख
मथानो	कथा	तीरथ	तिथि

तभी काम बनेगा

भगीरथ का पिता कारीगर था। ताऊ भी कारीगर था। पिता ऊन कातता। ऊन का दन बनाता। थुलम बनाता। ताऊ दन, थुलम लेकर बाजार जाता। कभी भीमताल, कभी रानीखेत तक निकल जाता। माल दुकान पर देता। दुकानदार भगीरथ के ताऊ को जानते थे। माल रख लेते। ताऊ को माल की कीमत दे देते।

ताऊ काम करता। पिता काम करता, पर भगीरथ काम न करता।

जेठ के दिन थे। भगीरथ रोज की भाँति नौ बजे जागा। ताऊ बोला–भगीरथ! कुछ तो नाम की लाज रख। राजा भगीरथ की भाँति काम करेगा, तभी काम बनेगा।

अभ्यास – 8

1.1. पढ़िए और लिखिए :

गऊ	बिकाऊ	नदी	मतदान
....	....	....	....
कुरान	धान	पोथी	गाथा
....	....	....	....

1.2. चित्र देखकर नाम लिखिए :

....

....

....

....

1.3. पढ़िए और लिखिए :

नंदा कागज के लिफाफे बनाती। दुकान पर ले जाती। धन कमाती।

....

....

....

....

....

2. गिनती लिखिए :

31	32	33	34	35
....	....	....	....	....
36	**37**	**38**	**39**	**40**
....	....	....	....	....

पाठ – ९
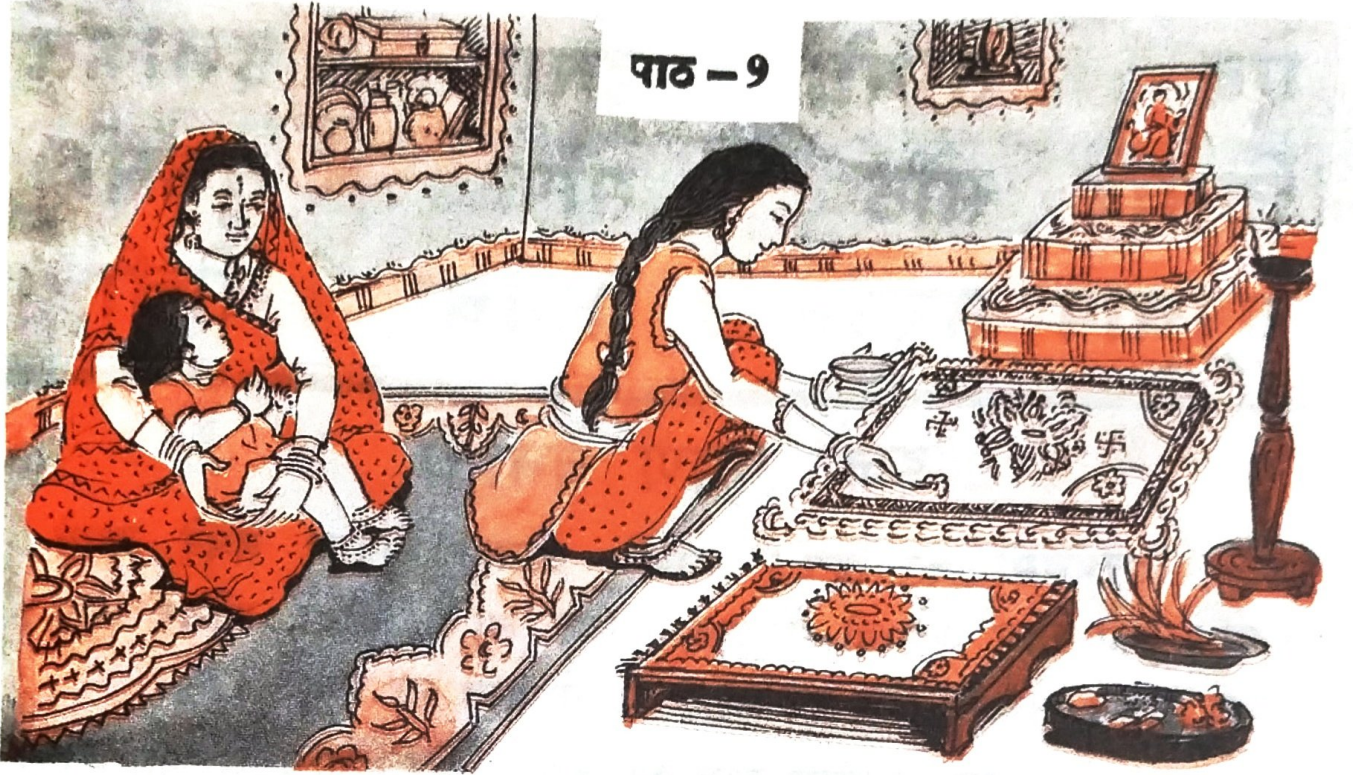
इजा ऐपण सिरपंचमि

इ ऐ स च

इ	इमली	इमारत	इला	इलाज
ऐ	ऐनक	ऐलान	ऐंठ	ऐंठन
स	सब	सभा	सरकार	संसार
च	चना	चल	चाय	सच

41 42 43 44 45 46 47 48 49 50

निकालिंछौ <u>इजा</u> <u>ऐपण</u>, <u>सिरपंचमि</u> त्यौहार ।
पुरी-पुआ बड़ बनि जला, खाणकि रली बहार ।।

ऐब	साथी	इनाम	इजाजत
सिमार	सोंठ	सौंफ	तुलसी
चुपचाप	सरपंच	गलीचा	लीची

इजा ऐपण बनाती

सिरपंचमी का दिन। सरुली, सीता, गोपाल सबेरे जगते। इजा सबको काम बताती—गोपाल, गोबर ला। सीता, भीतर लीप। ऐपण बना। सरुली, खेत पर जा। जौ के पात ला।

सरुली, सीता, गोपाल बाग पर जाते। फल लाते। सरुली, सीता खेत पर जाते। जौ के पात लाते। सीता ऐपण बनाती। इजा खाना बनाती। खीर बनाती। परसाद भी बनाती।

इजा, सरुली, सीता, गोपाल को रोली लगाती। मंगल गीत गाती। सिर पर जौ रखती। खाना खिलाती। सिरपंचमी के दिन सब नाचते, गाते, बाजा बजाते, गीत गाते।

अभ्यास – 9

1.1. नीचे बाईं ग्रोर कुछ वर्ण लिखे हैं। उनके सामने लिखी गिनती पढ़कर उतनी ही बार वह वर्ण लिखिए :

इ 5 ....

ऐ 7 ....

स 6 ....

च 8 ....

ऊ 4 ....

थ 3 ....

1.2. नीचे कुछ शब्द लिखे हैं, पर उनके वर्णों का क्रम बिगड़ गया है। उनका क्रम ठीक करके लिखिए :

जैसे : लाजइ इलाज

जाजतइ .... मरतीइ ....

नकऐ .... सुरालस ....

रकारस .... पासुरी ....

2. पढ़िए ग्रौर लिखिए :

चनुली की इजा काम करती, धन कमाती। कुछ न कुछ बचत भी करती। बचत का धन बचत खाते में जमा करती।

....

....

....

....

....

....

3. गिनती लिखिए :

41 42 43 44 45

....

46 47 48 49 50

....

जाँच पत्र–3 (पाठ 1 से 9 तक के लिए)

1. चौखटे में लिखे वर्ण को सामने लिखे शब्दों में खोजिए। वह वर्ण जितनी बार आया है, गिनकर आगे बने चौखटे में लिखिए :

ल	मलमल	लगाम	पालकी	
ख	मखमल	कोख	खीरा	
ऊ	ऊन	ताऊ	कुमाऊँ	
ठ	ठेका	ठठेरा	मीठा	

2. पढ़िए :

मीरा, खाना पका। गोपाल को भोजन दे। गोपाल, खाकर खेत पर जा। जम कर काम कर।

3. लिखिए :

इमारत .... **सरकार** ....

सरपंच .... **धीरज** ....

लीला का पिता कारीगर था।

....

वह कालीन बुनता था।

....

४. नीचे लिखे वाक्यों के आगे दो-दो शब्द दिए गए हैं। उनमें से सही शब्द छाँटकर खाली जगह में भरिए :

(क) गोपुली बाग ....। (लगाती/बनाती)

(ख) वह बाग से .... लाती। (हल/फल)

(ग) सीता .... बनाती। (ऐपण/ऐनक)

5. 36 से 50 तक गिनती लिखिए :

....

....

....

6. छूटी हुई गिनतियों को भरिए :

24 ...... 26 ...... 28 30

...... 32 ...... 34 37

प्रतिभागी का नाम .... पता ....

प्रवेश तिथि ....

परीक्षा तिथि ....

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ....

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ....

परियोजना : ....

जिला : .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ....

.... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री ....

ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में कुमाऊँ प्रवेशिका भाग 1 को पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक ग्राम प्रधान अनुदेशक

तारीख ....